हड़ताल क्यों ?

प्रिय साथियो,

आप जानते हैं कि पूर्व में AUAB के केन्द्रीय नेतृत्व ने हमारी जायज मांगों को लेकर 3 दिसम्बर 2018 से अनिश्चितकालीन हड़ताल का नोटिस दिया था, लेकिन सरकार ने एक दिन पूर्व केवल आश्वासन देकर उस समय हड़ताल को टालने का षडयंत्र रचा।

लगभग दो माह व्यतीत होने के बाद भी किसी भी मांग के बारे में कोई कार्यवाही न होने के कारण तथा सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में वेतन व पेंशन रिवीजन तथा 4G स्पैक्ट्रम आवंटन व पेंशन अंशदान की वास्तविक मूल वेतन पर कटौती और सैकण्ड पी आर सी के लम्बित मुद्दों (इण्टरमीडिएट पे स्केल की बजाय पूर्ण ई 2-ई 3 स्केल लागू करने) को निवटाने की मांग को लेकर आन्दोलनरत AUAB ने 18 से 20 फरवरी 2019 तक हड़ताल का नोटिस दिया है। हमारे मन में यह बात आ सकती है कि कम्पनी की वर्तमान ख़स्ताहाल वित्तीय स्थिति में हड़ताल का क्या औचित्य है। जरा विचार करें :-

- 40 हजार करोड़ नकद साख वाली कम्पनी से यह राशि धीरे धीरे करके किसने हड़प ली।
- लाइसेंस फीस के नाम पर 18500 करोड़ रुपये किसने लिये।
- काल्पनिक ऋण के बदले ब्याज के नाम पर 7500 करोड़ रुपये किसने बसूले।
- बीएसएनएल बनने से लेकर अब तक पेंशन अंशदान की कटौती सरकारी नियम के विरुद्ध अधिकतम मूल वेतन पर करके अधिक राशि किसने हड़प ली।
- अलग टॉवर कम्पनी बनाकर बीएसएनएल को खतम करने का षड़यंत्र किसने किया था।
- बीएसएनएल के विस्तार के लिए आवश्यक 4.5 करोड़ मोबाईल लाइन की खरीद को किसने रोका।
- मोबाइल सेवा शुरु होने के बावजूद भी पहले दूरसंचार विभाग को व फिर बीएसएनएल को मोबाइल सेवा लाइसेंस किसने नहीं दिया।
- सैकण्ड पीआरसी में मिलने वाले लाभों से हमारे डायरेक्ट रिक्रूट साथियों को वंचित किसने रखा।

इन सब बातों के लिए जिम्मेदार है केवल और केवल केन्द्र सरकार।

अब वही केन्द्र सरकार खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देकर वेतन रिवीजन के लिए मना कर रही है। यह तो ''बाड़ ही खेत को खाय'' वाली स्थिति है।

यही नहीं 4G स्पैक्ट्रम का आवंटन न कर सरकार बीएसएनएल को निजी क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा के मैदाने जंग में बिना हथियार के छोड़ने पर उतारू है, दूसरी तरफ JIO की सरपरस्ती कर उसे पनपाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

यह स्थिति ''खुद के पूत कुंवारे, पाड़ौसी के फेरे'' वाली है। दोनों ही स्थितियां पैदा कर दूरसंचार विभाग व केन्द्र सरकार ने हमारे स्वाभिमान को चोट पहुंचायी है तथा हमारी कम्पनी के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर दिया है।

इसलिए अब समय आ गया है आइये बीएसएनएल विरोधी व रिलायन्स समर्थक इस सरकारी षडयंत्र का मुंह तोड़ जबाव दें।

अब हम अभी नहीं तो कभी नहीं की स्थिति में हैं। यदि यह हड़ताल सफल नहीं हुई तो सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन में भी 33% का नुकसान आजीवन भुगतना पड़ेगा तथा अभी तो मेडीकल व एलटीसी आदि सुविधायें बन्द हुई है आगे चलकर हमारा मासिक वेतन भी बन्द हो सकता है।

यदि अब हम सफल नहीं हुए तो आगे केवल पछतावे के सिवा हमारे पास कुछ नहीं बचेगा।

इसलिए आगे बढ़े, सबको साथ लेकर संघर्ष करें, हड़ताल को शत-प्रतिशत सफल बनावें।

निवेदक

आल यूनियन एवं एसोशिएसन आफ बी एस एन एल (AUAB)

परिमण्डल व जिला पदाधिकारी

S.K.Printers - 9314630274